कस्तूरी कॉटन भारत पहल

[स्रोत : पीआईबी](#)

कपड़ा मंत्रालय का **कस्तूरी कॉटन भारत कार्यक्रम** भारतीय कपास की **ट्रेसबिलिटी, प्रमाणन और ब्रांडिंग** में एक अग्रणी प्रयास है।

- यह कॉटन की ट्रेसबिलिटी और प्रमाणन को बढ़ाने के लिये भारत सरकार (**कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया**), व्यापार निकायों और उद्योगों के बीच एक सहयोग है।
- एंड-टू-एंड ट्रेसबिलिटी और लेनदेन प्रमाणन के लिये **क्यूआर कोड सत्यापन और ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म वाली एक माइक्रोसाइट** विकसित की गई है।
- कार्यक्रम को **राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों** पर बढ़ावा दिया जाता है, जिसमें राज्य-विशिष्ट के बजाय राष्ट्रीय स्तर पर धन आवंटित किया जाता है।
- लगभग **343 आधुनिकीकृत जिनिंग और प्रेसिंग इकाइयाँ पंजीकृत हैं,** जिनमें आंध्र प्रदेश की 15 इकाइयाँ शामिल हैं।
  - आंध्र प्रदेश से लगभग 100 गाँठों को कस्तूरी कॉटन भारत ब्रांड के तहत प्रमाणित किया गया है।
- भारत में **कॉटन (कपास)** एक महत्त्वपूर्ण फसल है, जो वैश्विक उत्पादन में **25% का योगदान देती है और अपने आर्थिक मूल्य के लिये इसे "व्हाइट-गोल्ड"** के रूप में जाना जाता है। यह गर्म, धूप वाले मौसम और विभिन्न प्रकार की मृदा में पनपती है, लेकिन **जलभराव के प्रति संवेदनशील होती है।**

//

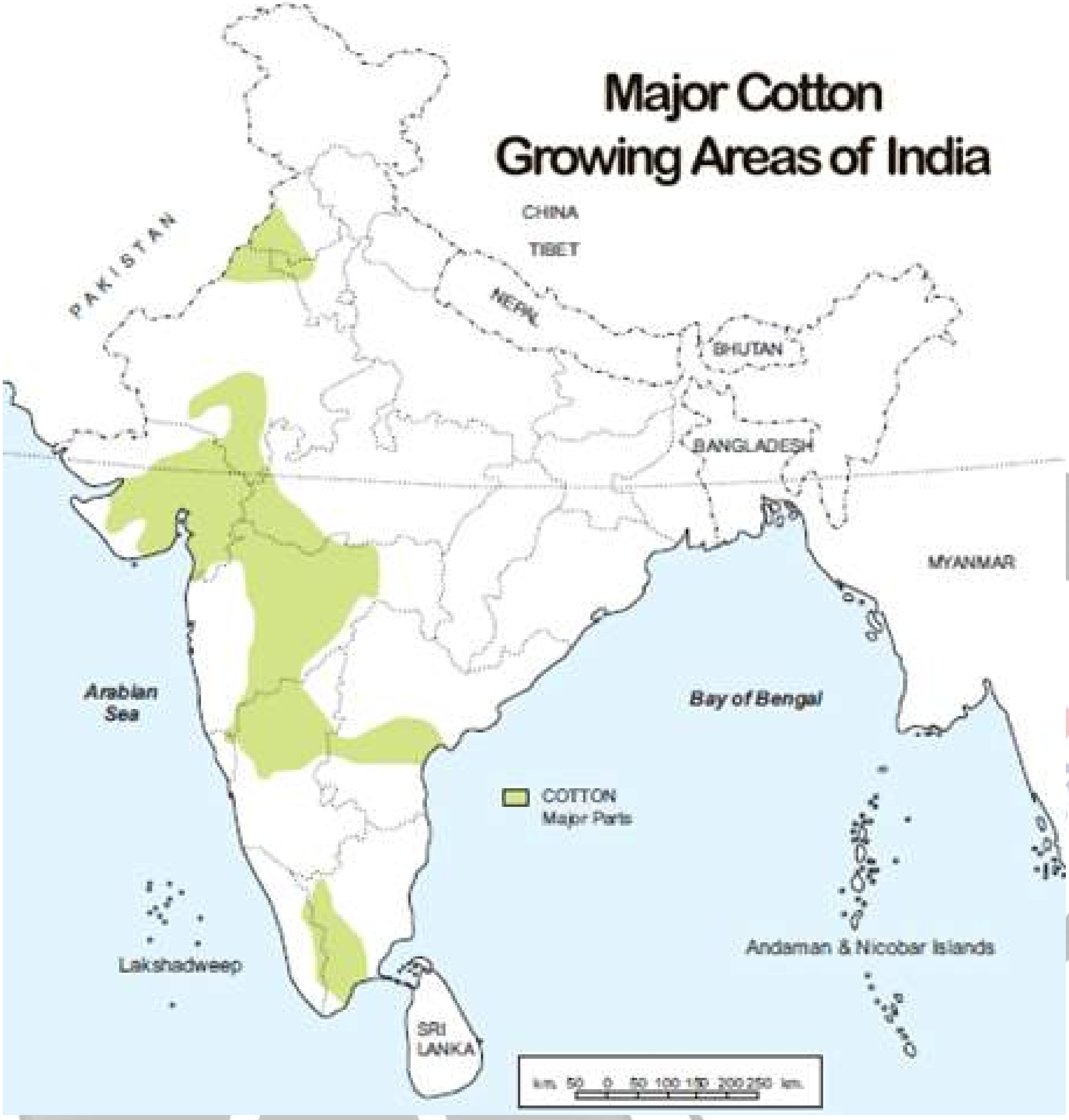

और पढ़ें: कस्तूरी कॉटन द्वारा भारत के कॉटन सेक्टर को बढ़ावा, भारत में कॉटन उत्पादन

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kasturi-cotton-bharat-initiative